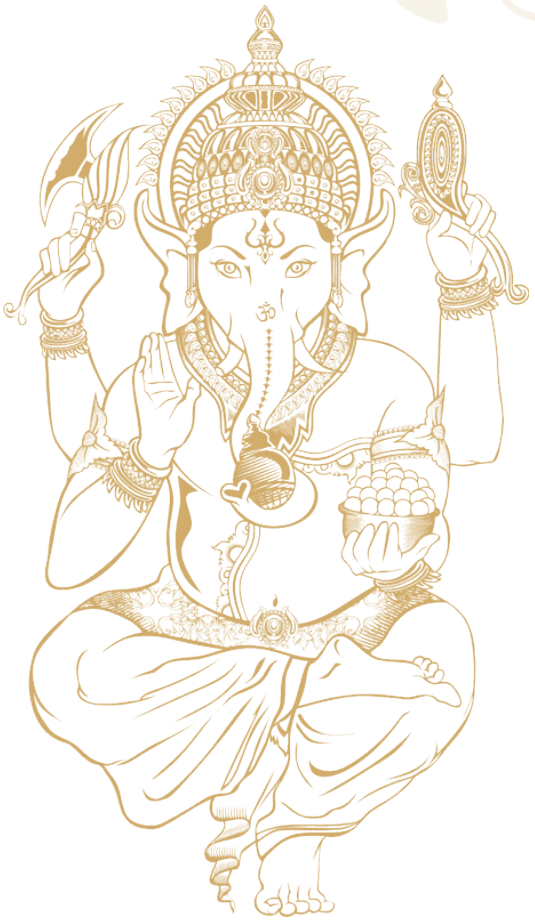

Haitesh Krishna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121672904

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/12/2000	जन्म तिथि	19-20/05/2004
बुधवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 20:15:00	जन्म समय	00:00:00 घंटे
घटी 32:20:16	जन्म समय(घटी)	45:55:00 घटी
India	देश	India
Hanumangarh	स्थान	Pokaran
29:33:00 उत्तर	अक्षांश	26:55:00 उत्तर
74:21:00 पूर्व	रेखांश	71:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:32:36	स्थानिक संस्कार	-00:42:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:18:53	सूर्योदय	05:52:50
17:34:43	सूर्यास्त	19:25:08
23:51:56	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:54

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 5वर्ष 1मा 4दि		04:27:04	कर्क	लग्न	मक	10:48:07	चन्द्र 8वर्ष 11मा 14दि	
बुध		28:02:24	वृश्चि	सूर्य	वृष	05:10:59	राहु	
18/01/2025		29:05:09	मिथु	चंद्र	वृष	11:23:31	03/05/2020	
18/01/2042		00:11:04	तुला	मंगल	मिथु	13:56:31	04/05/2038	
बुध	16/06/2027	21:16:44	वृश्चि	बुध	मेष	09:59:50	राहु	15/01/2023
केतु	13/06/2028	10:14:10	वृष व	गुरु	सिंह	15:19:20	गुरु	09/06/2025
शुक्र	13/04/2031	12:14:35	मक	शुक्र व	मिथु	02:09:25	शनि	15/04/2028
सूर्य	18/02/2032	01:46:02	वृष व	शनि	मिथु	16:47:38	बुध	03/11/2030
चन्द्र	19/07/2033	21:44:06	मिथु	राहु व	मेष	17:20:21	केतु	21/11/2031
मंगल	17/07/2034	21:44:06	धनु	केतु व	तुला	17:20:21	शुक्र	21/11/2034
राहु	02/02/2037	23:58:57	मक	हर्ष	कुंभ	12:41:13	सूर्य	16/10/2035
गुरु	11/05/2039	10:51:38	मक	नेप व	मक	21:28:38	चन्द्र	15/04/2037
शनि	18/01/2042	19:13:08	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	27:34:24	मंगल	04/05/2038

लग्न-चलित

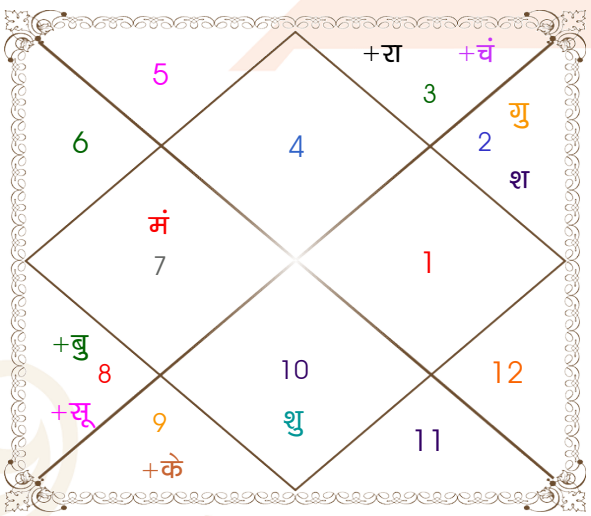

लग्न-चलित

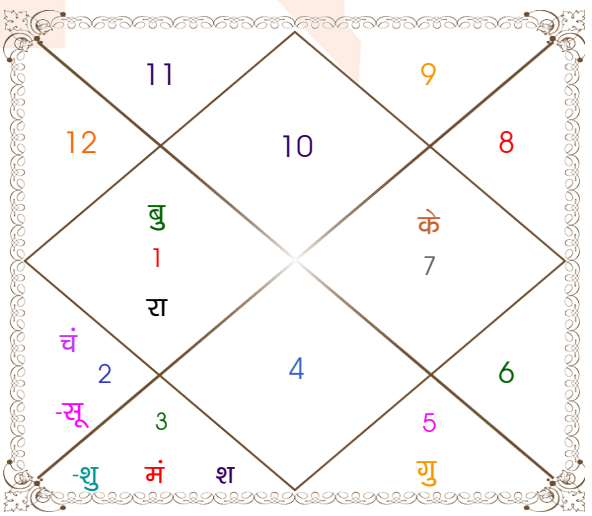

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

भ्पजमेी का वर्ग मेष है तथा ज्ञतपेीदं का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार भ्पजमेी और ज्ञतपेीदं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

भ्पजमेी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

ज्ञतपेीदं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु ज्ञतपेीदं कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ज्ञतपेीदं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट

जाता है।

भंपजमेी तथा ज्ञतपेीदं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।